हरिभूमि

# शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 8 जून 2026

login : www.haribhoomi.com



## खबर संक्षेप

### कोडरामाल में विधायक ने सुनी ग्रामीणों की समस्या

**नारायणगंज।** जनपद पंचायत नारायणगंज जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोडरामाल में विधायक चैन सिंह बरकड़े का आगमन हुआ जिसमें गांव की जनता ने पंचायत में जो समस्या हैं उनका पूरा करने के लिए विधायक जी के सामने अपनी बात रखी गांव वालों ने कहा कि पुल निर्माण एवं विद्युतीकरण और माध्यमिक शाला प्राथमिक शाला भवन की जर्जर स्थिति होने के कारण बच्चों को बरसात के दिनों में बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है लगातार आवेदन देने के बाद भी गांव की समस्या का निदान नहीं हो पा रहा है विधायक चैन सिंह बरकड़े द्वारा आश्वासन दिया गया कि शीघ्र ही इन समस्याओं की हल निकाला जाएगा और पुल निर्माण एवं विद्युतीकरण जर्जर भवनों को शीघ्र ही सुधार किया जाएगा ग्राम पंचायत सरपंच एवं सचिव नारायण सिंह वरकड़े शिव सेयाम एवं ग्राम पंचायत के सभी पंच एवं नागरिक उपस्थित रहे

### ग्राम कमता माल में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

**मण्डला।** शुक्रवार को ग्राम पंचायत कामता, विकासखंड- नैनपुर में डब्लू डब्लू एफ इंडिया (WWF India) संस्था मंडला के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम में भारत माता के चित्रण पर फूल माला अर्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन करते हुए डब्लू डब्लू एफ के सीनियर प्रोजेक्ट ऑफिसर परसराम चौहान ने बताया कि आने वाले भविष्य में हम प्रकृति को कैसे देखना चाहेंगे। हम पर्यावरण संरक्षण में क्या क्या कर सकते है। आप देख रहे है धीरे धीरे पक्षियों की प्रजाति काम होते जा रही है जिसका मुख्य कारण रासायनिक खेती है। पक्षियों का पर्यावरण संरक्षण में बहुत ही महत्त्वपूर्ण योगदान है। सतत विधि से वन उपज इकठ्ठा करने की जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रविंद्र मणि त्रिपाठी (फील्ड डायरेक्टर- कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला) के द्वारा सभी ग्रामवासियो को सम्बोधित किया। उन्होंने कोरोना बीमारी कैसे आई को विस्तार पूर्वक बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि वन्य जीव प्राणी भी सरे देवी देवताओ से जुड़े हुए है 1 माँ लक्ष्मी का वाहन देख लीजिये। माँ दुर्गा की सवारी टाइगर, गणेश जी का अवतार में हाथी, बजरंगवली का अवतार। सभी प्राणियों का चित्रण किसी न किसी भगवान में देखने को मिलती है।

## वर्ष 2027 चुनाव में जल की समस्या बनेगा बड़ा मुद्दा

# परिषद आखिर किसकी सेवा में व्यस्त?

*** नल सूखे, जनता खफा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

**नगर में गहराते पेयजल संकट के बीच नगर परिषद निवास की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। कई वार्डों में पिछले कुछ दिनों से टैंकरों के माध्यम से होने वाली जलापूर्ति बंद होने से नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी और लगातार गिरते भूजल स्तर के बीच लोग पीने के पानी के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदारों की ओर से अब तक कोई प्रभावी समाधान सामने नहीं आया है।**

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जिन क्षेत्रों में जलस्तर कम होने के कारण नियमित रूप से टैंकर भेजे जाते थे, वहां अचानक आपूर्ति बंद कर दी गई है। कई बार शिकायतें और अधिकारियों से संपर्क करने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। लोगों का आरोप है कि नगर परिषद का ध्यान केवल कुछ चुनिंदा वार्डों तक सीमित होकर रह गया है, जबकि अन्य क्षेत्रों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। नगरवासियों के बीच यह चर्चा भी तेज हो गई है कि जलापूर्ति व्यवस्था में समानता नहीं दिखाई दे रही है। कुछ वार्डों में नियमित रूप से पानी पहुंचाया जा रहा है, जबकि कई मोहल्लों के लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। यदि ऐसा है तो यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि नगर परिषद की निष्पक्षता और जवाबदेही पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता को लेकर किसी भी प्रकार का भेदभाव नागरिकों में असंतोष और नाराजगी को बढ़ा रहा है। खेरमाई क्षेत्र के रहवासियों का कहना है कि वे भी नगर के करदाता नागरिक हैं और उन्हें समान सुविधाएं मिलनी चाहिए। उनका तर्क है कि यदि परिषद पूरे नगर की है तो उसकी जिम्मेदारी भी सभी वार्डों के प्रति समान होनी चाहिए। केवल कुछ क्षेत्रों में व्यवस्था सुधारने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। इधर राजनीतिक गलियारों में भी इस मुद्दे को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। आगामी नगरीय निकाय चुनाव में अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से होना है। ऐसे में उपेक्षित वार्डों की नाराजगी चुनावी परिणामों को प्रभावित कर सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि नागरिकों का बुनियादी अधिकार है और इसकी अनदेखी को जनता आसानी से नहीं भूलती। फिलहाल नगरवासियों की मांग है कि परिषद तत्काल सभी प्रभावित वार्डों में नियमित टैंकर जलापूर्ति सुनिश्चित करे तथा वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और समान बनाए, ताकि किसी भी प्रकार के भेदभाव की आशंका समाप्त हो सके। अब देखना यह होगा कि नगर परिषद बढ़ते जनअसंतोष को गंभीरता से लेती है या फिर प्यासे वार्डों की आवाज यूं ही अनसुनी रह जाती है।

## अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत माहिष्मती घाट पर नियमित योग अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन एवं व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा माहिष्मती घाट पर विशेष योग अभ्यास सत्र संचालित किया जा रहा है। रविवार 7 जून को भी प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिदिन की भाँति योग अभ्यास सत्र में शामिल हुए और विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास किया।

आयुष विभाग के मार्गदर्शन में 1 जून से जिला प्रशासन के सभी विभाग प्रमुखों एवं अधिकारियों के लिए विशेष योग प्रशिक्षण एवं अभ्यास सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों में प्रतिभागियों को अनुलोम-विलोम, ज्ञान मुद्रा, ध्यान मुद्रा, वज्रासन, शवासन, नाड़ी शोधन, नाड़ी विभाजन तथा सूर्य नमस्कार सहित अनेक महत्वपूर्ण योगासन एवं प्राणायाम का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है।

योग विशेषज्ञों द्वारा योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी भी दी जा रही है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बताया जा रहा है कि नियमित योगाभ्यास से तनाव कम होता है, कार्यक्षमता में वृद्धि होती है तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने में सहायता मिलती है।

जिला प्रशासन ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सामूहिक योग कार्यक्रम में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। यह पहल न केवल स्वास्थ्य संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी प्रभावी साबित हो रही है।

## पेयजल स्त्रोतों के क्लोरीनीकरण एवं नल-जल योजनाओं के नियमित निरीक्षण के निर्देश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले में सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड मंडला द्वारा समस्त पेयजल स्त्रोतों, नल-जल योजनाओं एवं जल प्रदाय व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की जा रही है। विभाग ने जलजनित रोगों की रोकथाम तथा पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड मंडला ने बताया कि वर्तमान मौसम एवं जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए हैंडपंपों, नलकूपों, ओवरहेड टंकियों सहित विभिन्न पेयजल स्त्रोतों का नियमित क्लोरीनीकरण कराया जा रहा है। क्लोरीनीकरण से पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणु एवं रोगाणु नष्ट होते हैं, जिससे पेयजल सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त बना रहता है।

विभाग ने जिले की सभी ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्र में संचालित नल-जल योजनाओं का नियमित निरीक्षण करें तथा पाइपलाइन, वाल्व, कुएं, हैंडपंप और जल वितरण प्रणाली की सतत निगरानी सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान पाइपलाइन में रिसाव, टूट-फूट अथवा अन्य तकनीकी खामियाँ पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग का कहना है कि पाइपलाइन में लीकेज होने से बाहरी दूषित जल के मिश्रण की संभावना बढ़ जाती है, जिससे पेयजल की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है और आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इसके अलावा जल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने, जलभराव एवं गंदगी को रोकने तथा पेयजल स्त्रोतों को प्रदूषण से सुरक्षित रखने पर विशेष जोर दिया गया है। संबंधित अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे केवल स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल का उपयोग करें। पेयजल को हमेशा स्वच्छ एवं ढंककर रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर पानी को उबालकर अथवा अन्य सुरक्षित विधियों से शुद्ध कर उपयोग में लाने की सलाह दी गई है।

विभाग ने आमजन से अनुरोध किया है कि यदि किसी क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति में बाधा, पाइपलाइन रिसाव, दूषित जल की आपूर्ति अथवा अन्य कोई समस्या दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल ग्राम पंचायत या लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के स्थानीय कार्यालय को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड मंडला ने जिलेवासियों से जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने एवं जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए विभागीय प्रयासों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया है। विभाग का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक तक स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त पेयजल पहुंचाना तथा जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

## विश्व पर्यावरण दिवस ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम जागरूकता के तहत किया गया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

सर्वोच्च न्यायालय एवं शासन के निर्देश अनुसार नगर परिषद बिछिया द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के उपलक्ष्य में शहरों में स्वच्छता अभियानों, 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे वृक्षारोपण कार्यक्रमों और जागरूकता रैलियों का आयोजन किया गया इन कार्यक्रमों में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा आम जनता को प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया साथ ही जागरूकता अभियानः स्वच्छ और हरित (ग्रीन) शहर के निर्माण के लिए नुक्कड़ नाटकों, प्रभात फेरियों और जनसभाओं के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया गयासर्वोच्च न्यायालय एवं शासन निर्देश के पालन में आज को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 से परिषद पदाधिकारियों को अवगत कराया गया साथ ही एक्सपोजर विजिट निकाय के प्रसंस्करण केंद्रों की कराई गई एक पेड़ मां के नाम वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सभी जनप्रतिनिधियों के साथ साथ निकाय के अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए मुख्य नगरपालिका अधिकारी के निर्देशानुसार 12 जून तक नियमित रूप से अभियान संचालित किय जावेंगे साथ ही आम मुनादी भी कराई जावेगी उक्त अभियान में निकाय के प्रतिनिधिगण एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

## दशगात्र गंगाजली मे मनरेगा मेट संघ के द्वारा दिया सहयोग

**नारायणगंज।** मनरेगा मेट संघ नारायणगंज के मेट साथियों द्वारा कल दिनांक 06/06/2026 दिन शनिवार को ग्राम पंचायत भावल के ऊर्जावान मेट साथी बड़े भाई स्वर्गीय श्री सुरेश कुमार तामस्कर जिसका लखवा जैसे बीमारी से लड़ते हुए दिनांक 22/05/2026 को दुःखद निधन हो गया जिसमे हमारे नारायणगंज ब्लॉक के समस्त मेट साथियों द्वारा एक छोटा सा सहयोग राशि दुखी परिवार को दिए जिसमे उपस्थित रहे मनरेगा मेट संघ के सचिव मनीष दुबे जी, जिला मिडिया प्रभारी हेमसिंह परते, सेक्टर प्रभारी डुमारी लाल वरकडे, मेट देवीलाल मलगाम, प्रमोद यादव, नन्ही बाई उलाड़ी मेट साथियो के माध्यम से दुखित परिवार को दशगात्र कार्यक्रम मे शामिल हुए।

**दोस्ती के 10 साल** | **माहिष्मती राइडर्स ने मनाया गौरवशाली दशक का उत्सव।**

# सामाजिक सरोकारों के संकल्प को दोहराया

*** साहसिक यात्राओं की सफलता को किया याद।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले के प्रतिष्ठित बाइकिंग समूह माहिष्मती राइडर्स मंडला ने अपनी स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य समारोह आयोजित कर अपने गौरवशाली सफर का जश्न मनाया। 4 जून 2016 को स्थापित इस क्लब ने 4 जून 2026 को अपने सफल एवं प्रेरणादायक दस वर्ष पूरे किए। इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्य एकत्रित हुए, केक काटकर खुशियां साझा कीं और बीते एक दशक की उपलब्धियों तथा यादगार पलों को स्मरण किया।

पिछले दस वर्षों में माहिष्मती राइडर्स के सदस्यों ने देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक साहसिक बाइक यात्राएं सफलतापूर्वक पूरी की हैं। इनमें विश्व प्रसिद्ध लेह-लद्दाख की दुर्गम एवं रोमांचक यात्रा विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। कठिन पर्वतीय मार्गों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में की गई इन यात्राओं ने क्लब के सदस्यों के साहस, अनुशासन और एकजुटता को नई पहचान दिलाई है।

रोमांचक राइड्स के साथ-साथ क्लब ने सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाना, पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित करना, जरूरतमंदों की सहायता करना तथा विभिन्न सामाजिक संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष राइड्स निकालना क्लब की प्रमुख गतिविधियों में शामिल रहा है।

उल्लेखनीय है कि माहिष्मती राइडर्स मंडला ने जिले के विभिन्न शासकीय एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। क्लब द्वारा समय-समय पर तिरंगा राइड, यातायात जागरूकता अभियान तथा कोविड-19 महामारी के दौरान विशाल जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इन अभियानों के माध्यम से आमजन को राष्ट्रभक्ति, सड़क सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण माहिष्मती राइडर्स ने न केवल मंडला जिले बल्कि पूरे प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

माहिष्मती राइडर्स की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विविधता है। क्लब में विभिन्न आयु वर्ग और अलग-अलग व्यवसायों से जुड़े लोग सदस्य हैं, जो अपने अनुभव, सहयोग और मित्रता की भावना से संगठन को निरंतर मजबूती प्रदान करते हैं। दसवीं वर्षगांठ समारोह के दौरान सदस्यों ने अपनी यात्राओं से जुड़े रोचक, प्रेरणादायक और भावुक कर देने वाले अनुभव साझा किए। कठिन रास्तों पर मिली चुनौतियों, यादगार पलों और सामाजिक अभियानों की स्मृतियों ने पूरे माहौल को उत्साह और गौरव से भर दिया।

समारोह के दौरान भविष्य की योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि आने वाले वर्षों में भी साहसिक यात्राओं के साथ-साथ सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता के अभियानों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा।

कार्यक्रम में रूपेश इसरानी, डॉ. कपिल वर्मा, राज बहादुर सिंह, प्रशांत बंटी अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, रवि राय, एडवोकेट योगेश अग्रवाल, राकेश अमपुरी, विजय इसरानी, सुरभि पाठक, मनीष कछवाहा, अतीश डीके, बादल मलवानी, सिद्धार्थ अग्निहोत्री, विनय रंजन मिश्रा, डॉ. प्रवीण उइके, अनिल सिहानी, एकाग्र पाठक, संतोष चौकसे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

माहिष्मती राइडर्स क्लब की दसवीं वर्षगांठ केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि साहस, मित्रता, सामाजिक उत्तरदायित्व और रोमांच से भरे एक सफल दशक का उत्सव बन गई। आने वाले समय में भी क्लब नई ऊंचाइयों को छूने और समाजहित में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई दिया।

## करंजिया WTP प्लांट हादसे की उच्च स्तरीय जांच एवं दोषियों पर कार्रवाई की मांग, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

हालोन समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत करंजिया स्थित WTP प्लांट में क्रेन दुर्घटना के दौरान एक श्रमिक की मृत्यु एवं अन्य श्रमिक के घायल होने की घटना को गंभीर बताते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया ने अनुविभागीय दण्डाधिकारी (राजस्व) बिछिया के नाम तहसीलदार महोदय को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि करंजिया WTP प्लांट में कार्य के दौरान क्रेन के चैनल/संरचनात्मक भाग के टूट जाने से श्रमिक कपूर झारिया (उम्र लगभग 45 वर्ष) की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि एक अन्य श्रमिक घायल हो गया। इस घटना ने परियोजना स्थल पर श्रमिक सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं मशीनों के रखरखाव पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि दुर्घटना की मजिसट्रियल अथवा उच्च स्तरीय जांच कराई जाए तथा दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ठेका कंपनी एवं संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। साथ ही मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा एवं आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा घायल श्रमिक के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी की गई है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने यह भी मांग की है कि सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित ठेका कंपनी एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में परियोजना स्थल को तत्काल सील कर तकनीकी जांच कराने तथा आवश्यक होने पर संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं ठेका कंपनी प्रबंधन के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग भी की गई है।

कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में शीघ्र एवं उचित कार्रवाई नहीं की गई तो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जनहित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान झुन्ना ठाकुर, नीरज मिश्रा, टोनी मिश्रा, अक्षत झारिया, निखिल राजपूत, शिव मसराम उपस्थित रहे।

## खबर संक्षेप

### गांवो के हैंड पम्प सुधारने की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। चल रहे गर्मी का मौसम में ग्रामों के निवासी पेयजल उपलब्ध करने हेण्ड पम्पों पर निर्भर होते चले जा रहे है। किन्तु बड़ी ही बिडम्बना की बात है कि सरकार द्वारा लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभाग द्वारा पैसा पानी की तरह बहाया जा रहा है। मगर इसके बाद भी क्षेत्र के अनेक गांवों में लोग पीने के पानी को लेकर परेशान होते हुए आसानी से देखे जा रहा है, क्योंकि गांवों में लगे हुए हेण्ड पंपो की सच्चाई जिस प्रकार से बनी हुई है कि वह पानी की जगह हवा उगलते हुए दिखाई दे रहे है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा बताया जाता है कि क्षेत्र के कई गांवो के हेण्ड पम्प विगत लम्बे समय से बिगड़े हुए है और उनकी संबंधित विभाग द्वारा किसी भी प्रकार से कोई सुध न लेने से स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि आने वाली महिनों में पड़ने वाली प्रचंड गर्मी के दिनों में उपयोगी साबित नही होंगे, जिसको लेकर क्षेत्र की ग्रामो के निवासियो ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से गुहार लगायी है कि वह क्षेत्र के गांवो में लगे हेण्ड पम्पो की स्थिति की शीघ्र पड़ताल कराये और समय रहते हुए बिगड़े हेण्डपम्पों में सुधार कराये ताकि आने वाली गर्मी के मौसम में गांवो में गर्मी के मौसम में लोगों को जलसंकट उत्पन्न होने पर विराम लग सके।

### पॉलीथिन, खुलेआम हो रहा उपयोग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां प्रशासन द्वारा पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाते हुये नगर पालिकाओं से लेकर नगर पंचायतों को उपयोग करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने के आदेश भी जारी किये गये थें। मगर वह आदेश नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों द्वारा मात्र अखबारों में ईश्हार निकलवाने तक की कार्यवाही करते हुये अपनी खाना पूर्ति करते हुये नजर अंदाज करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है और इसी का परिणाम है कि शासन का आदेश इस समय लगातार हो रहे पॉलिथिन के उपयोग पर बेअसर दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि लोगों द्वारा पॉलीथिन का उपयोग करने में सिर्फ सब्जी भांजी ही नही रखी जा रही बल्कि गर्म चाय तक अब पॉलीथिनों में रखते हुये जहां तहां पहुंचाई जाने लगी है, जिसके चलते किसी भी पॉलीथिन में रखी हुई गर्म वस्तु जहरीली होने से नही बच पाती है और शायद इसी सोच के चलते शासन द्वारा पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाते हुये कार्यवाही के निर्देश दिये गये थें। मगर इस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि बाजार में खुलेआम पॉलीथिन का उपयोग होते हुये देखा जा रहा है।

### मादक पदार्थों के सौदागरों द्वारा युवाओं को शिकार बनाने का किया जा रहा प्रयास..?

गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि नगर की पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे मादक पदार्थों के खिलाफ कार्यवाही नही कर रही है..? पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही करते हुये इस अवैध कारोबार में लिप्त रहने वाले लोगों को जेल की सलाखों के पीछे भेजने के बाद भी मादक पदार्थ के अवैध कारोबार पर अंकुश लगने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस नशीले जहर के सौदागरों द्वारा अपना धंधा चमकाने की नियत से इस तरह के सेन्टरों पर अपनी आमद देते हुये देखे जा रहे है जहां पर युवा पूर्णरूप से स्वास्थ्य रहने की सोच के चलते कसरत करने के लिये पहुंचते है। मगर मादक पदार्थों के सौदागरों द्वारा इन सेन्टरों पर किसी भी प्रकार से इन सेन्टरों के भागीदार बनकर यहां पर मौजूद रहने वाले युवाओं को लत का शिकार होने के लिये प्रेरित करने से नही चूक रहे है? इतना ही नही यदि कोई युवा इन द्वारा उन्हें गलत रास्ते पर चलने की बात को लेकर विरोध करता है तो उन भोरे भारे युवाओं के खिलाफ झूठे सांचे षडयंत्र रखने से भी नही चूक रहे है? इस तरह मादक पदार्थ के सौदागरों की सोच रहती है कि नगर में इस जहर की लत के शिकार होने वाले युवाओं की संख्या में इजाफा होगा तो उनका काला कारोबार तेज गति पकड़ने से नही चूक पायेगा? इस समय नगर में देख जावे तो नगर से जमाडा की ओर जाने वाले मार्ग पर जहां मादक पदार्थों का अवैध कारोबार जहां अलग ही गौरव हासिल करते हुये देखा जा रहा है।

### पंजीयन से विपरीत ट्रेक्टरों का हो रहा है उपयोग..

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। कृषि हेतु ट्रेक्टर का रजिस्टेशन करवाए जाने के बावजूद इसका उपयोग व्यवसाय कार्य के लिए करते हुए देखा जा रहा है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ईट, मिट्टी,रेत, गिट्टी या फिर बांस, बल्ली व अन्य समान ढोतें हुए अनेक ट्रेक्टर धडल्लें से सड़कों पर दौड़तें देखें जा रहे है।

# आखिरकार कुछ दिनों तक चिकित्सालय परिसर की शोभा बढ़ाने वाला रेडक्रास सोसाईटी का शव वाहन कहा हो गया गायब, बगैर उपयोग में आये हुये ही कैसे हुआ कबाड़ में तब्दील...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जब शासन व किसी संस्था द्वारा गरीबों का ध्यान रखते हुए किसी व्यवस्था का शुभारंभ किया जाता है तो निश्चित तौर से क्षेत्र की जनता के साथ साथ गरीब भी इस प्रकार से खुश होते है कि इस शासन की व्यवस्था का उन्हें किसी दिन जरूरत पड़ने पर लाभ जरूर मिलेगा..? मगर लोग हैरत में जब पड़ जाते है जब किसी शासकीय व्यवस्था को शुभारंभ होते हुये तो देखी जाती है। मगर जरूरत पड़ने पर वह गायब रहती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये लगभग 7-8 वर्ष पूर्व क्षेत्र में आये हुये रेडक्रास सोसाईटी के शव वाहन की सच्चाई को देखते हुये जान पड़ रही है...? जो काफी दिनों तक तो बगैर उपयोग किये हुये ही कबाड़ में तब्दील होने के बाद नगर के शासकीय चिकित्सालय की शोभा बढ़ाते हुये देखा जाता रहा था। मगर अब वहां से भी लोगों की आंखों से ओझल हो चुका है..? वही इस वाहन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जब उस वाहन की जरूरत महसूस की जाती है तो वह गायब नजर आता है? बीते हुये कुछ साल पहले कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान क्षेत्र की स्थिति इस तरह बन गई थी कि जब नगर के शासकीय चिकित्सालय में मौत का मंजर चल रहा था और लोगों को अपने घरों या फिर अन्य जगहो पर शव ले जाने के लिये परेशान होना पड़ रहा था उस दौरान भी यह शव वाहन गायब आ रहा था और वही हाल इस समय भी देखने मिल रहा है। यह बात अलग है कि पहले कुछ दिनों तक यह वाहन शासकीय चिकित्सालय की शोभा बढ़ाने के बाद अखिरकार बगैर उपयोग किये हुये कहा गायब हो गया शायद ही किसी का पता हो..? इस तरह लगभग दस वर्ष पहले नगर में आया हुआ रेडक्रास सोसाईटी के शव वाहन का गायब होना चर्चा का विषय बना हुआ है..? ज्ञात हो कि नगर के शासकीय चिकित्सालय में उपचार कराने के लिये आने वाले मरीजों की जब किसी कारण वस मौत हो जाती है तो उनके परिजनों को अपना शव घर ले जाने के लिये काफी परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। जिसमें सबसे अधिक परेशानी तो उन गरीबों को झेलने पड़ती है जिनके पास पैसा का आभाव रहने के दौरान जब अपने परिवार के सदस्य की मौत होने पर यदि उसके शव को अपने घर या फिर गांव ले जाना होता है तो निश्चिह वाहनों के माध्यम से ले जाने के लिये उनके पास कोई राशि नही होती है। इस स्थिति के बीच क्षेत्र के लोगों द्वारा गाडरवारा में शव वाहन की मांग उठाई जा रही थी और इसी मांग को ध्यान में रखते हुये लगभग दस साल पूर्व रेड क्रास सोसाईटी द्वारा 8 जनवरी 2016 को एक शव वाहन उपलब्ध कराया गया था, जिसका लोकापर्ण नगर के विश्राम गृह में तत्काकालीन जिला कलेक्टर नरेश पाल सहित अन्य लोगों द्वारा फीता काटने के साथ साथ हरी झंडी दिखाते हुए किया गया था। मगर यह शव वाहन का लोकापर्ण के समय से ही चर्चाओं का विषय बनने से नही चूक पा रहा था। क्योंकि रेडक्रास सोसाईटी द्वारा प्रदान किये गये इस शव वाहन के दर्शन नगर के लोगों द्वारा मात्र अखबारों में प्रकाशित हुई फोटों के माध्यम से ही करने के बाद अचानक वाहन के गायब हो जाने के कारण चर्चा का विषय बनते हुये देखा जाने लगा था। बताया जाता है कि लोकापर्ण के बाद काफी समय तक यह शव वाहन जहां एक शासकीय कार्यालय में इस प्रकार से छिपाकर रख दिया गया था जिसके चलते गरीबों को इस वाहन का लाभ मिलने की बात तो दूर से दर्शन मिलना तक दुर्लभ हो चुके था। इस दौरान शायद ही किसी गरीब के उपयोग में आया हो....? क्योंकि आमजन को इस बात की जानकारी ही नही थी कि जरूरत पड़ने पर इस वाहन को कहा से प्राप्त किया जावेगा। मगर जब इस सच्चाई को नगर के पत्रकारों द्वारा लगातार उजागर किया गया था तो संबंधित विभाग से जुडे हुये लोगों द्वारा इस रेडक्रास सोसाईटी के शव वाहन को शासकीय चिकित्सालय परिसर में लाकर खड़ा कर दिया गया था। इस प्रकार से अपने लोकापर्ण से काफी समय तक आमजन की पहुंच से दूर रहे इस शव वाहन की स्थिति इस प्रकार से बन चुकी थी कि वह एक पुराने वाहन का रूप धारण करने में कोई कसर नही छोड़ रहा था? क्योंकि वाहन में अनेक जगहों से हुई टूट फूट वाहन की सच्चाई पर अनेक प्रकार के सबाल खड़े करने से नही चूक पा रही थी? क्योंकि जब इस शव वाहन आज तक किसी के उपयोग में आया ही नही है और उसकी स्थिति इस तरह कंडम बन गई थी कि वह खुद ही शव के समान नजर आने से नही चूक रहा था? इस तरह लगभग 7-8 साल पहले रेडक्रास सोसाईटी द्वारा प्रदान किया गया है यह शव वाहन कई महिनों तक नगर के शासकीय चिकित्सालय की शोभा बढ़ाते हुये देखे जाने के बाद फिर जिस तरह नजर से ओझल देखा जा रहा है उसके चलते लोगों द्वारा अनेक प्रकार की चर्चाएं करने से नही चूक पा रहे है? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय यदि वह वाहन सुरक्षित स्थिति में होता तो निश्चित तौर यह वाहन क्षेत्र के गरीबों के लिये काफी हद तक मददगार बनने से नही चूकता। क्षेत्रवासियों द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की गई है कि कुछ दिनों तक नगर के शासकीय चिकित्सालय परिसर की शोभा बढ़ाते हुये अचानक गायब हो चुके रेडक्रास के शव वाहन की खोज करना चाहिये तथा उसको आमजन के लिये सेवाएं प्रदान कराने के लिये उपलब्ध कराने की जरूरत है। यदि वह शव वाहन आ जाता है तो निश्चित ही क्षेत्र के लोगों को इस वाहन के माध्यम से काफी लाभ मिल सकता है।

## आटो चालकों की मनमानी के चलते स्टेशन पहुंचने वालें लोगों की जिन्दगी को पैदा हो रहा खतरा, मुख्य मार्ग पर कई घंटे तक खड़े रहने से बदहाल हो रही यातायात व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर की बिगड़ी हुई यातायात व्यवास्था के सुधार को लेकर आये दिन होने वाली सरकारी बैठकों में मुद्दा उठने से नही चूकता है और अधिकारियों द्वारा नगर की बिगड़ी यातायात व्यवस्था में सुधार का पूरा भरोसा दिलया जाता है। मगर सुधार होते हुये दिखाई कभी नही देखा गया है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। क्योंकि नगर की यातायात व्यवस्था की सच्चाई आज भी जहां की तहां बनी हुई दिखाई दे रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के प्रमुख स्थल स्टेशन के समीप गौर किया जावे तो यहां पर यदि आटों चालकों की मनमानी इस प्रकार से हावी है कि जिसके चलते स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि स्टेशन पहुंचने वाले मार्ग पर आटों चालकों का जिस प्रकार से मुख्य सड़क पर कब्जा रहता है कि आम वाहन चालकों की बात तो दूर पैदल तक लोगों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। बताया जाता है कि अनेक आटों चालक स्टेशन से मुख्य नगर की ओर आने वाले मार्ग पर लगी हुई दुकानों के सामने अपने आटों इस प्रकार से काफी समय तक खड़े करे रहते है जिसके चलते संपूर्ण सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है, इस स्थिति में ट्रेन पकड़ने के लिए दो पाहिया वाहनों या फिर पैदल जाने वाले रेल यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है, स्थिति खराब उस समय और अधिक हो जाती है जब किसी ट्रेन के आने या फिर जाने का समय होता है जिसके चलते जब आम यात्रियों को ट्रेन पकड़ने के लिए किसी महिलाओं व अन्य परिजनों को दो पाहिया या चार पाहिया वाहन से लेकर जा रहे होते है उस समय मुख्य सड़क पर घंटों तक खड़े रहने वाले इन आटों के चलते ट्रेन पकड़ने के लिए जाने वाले आम लोगों के वाहनों का यहां से निकलना मुश्किल हो जाता है। इस प्रकार से आटों चालकों की मनमानी को लेकर न तो पुलिस प्रशासन के अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही अन्य अधिकारी जिसके चलते आम लोगों को प्रतिदिन परेशान होते हुए देखा जा रहा है। जबकि गौर करने वाले बात तो यह है कि सुबह व शाम के वक्त बीना ट्रेन से अनेक पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को इस मार्ग से निकलना होता है, इसके बाद भी इस प्रकार से आटों चालकों द्वारा की जा रही मनमानी उनके नजर में न आना पुलिस की उदासीन कार्य प्रणाली को उजागर करते हुए दिखाई दे रहा है? कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के भारतीय स्टैट बैक के सामने का देखने मिल रहा है जहां पर मुख्य मार्ग पर ही लोगों द्वारा अपने वाहन खड़े करते हुये बैक के अंदर चले जाते है जिसके कारण यह मार्ग पूर्ण रूप से बंद की स्थिति में पहुंचने से नही चूक पा रहा है। मगर इसके बाद भी इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण लग रहा है कि शायद इस इस नगर का भगवान ही मालिक है...?

## नगर में जहां तहां विक्रय हो रही मांस मछली के अवैध कारोबार के चलते नगर में फैल रही गंदगी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

भले ही नगर पालिका द्वारा मांस मछली विक्रय करने के लिये जगह निर्धारित की गई है। मगर इसके बाद भी लोगों द्वारा नगर में जहां तहां खुलेआम मांस मछली का विक्रय करते हुये देखा जा रहा है जिसके चलते नगर का वातावरण तो प्रदूषित हो ही रहा है साथ ही साथ लोगों की धार्मिक भावनाओं को भी ठेंस पहुंचने से नही चूक रही है? इस प्रकार से मांस मछली विक्रय करने वालो की मनमानी पर अंकुश न लग पाना नपा प्रशासन की अनदेखी कही जावे या फिर पुलिस प्रशासन की उदासीनता को भी उजागार करने से नही चूक रही है..? जिसके चलते इस प्रकार से नगर में धडल्ले से जहां तहां हो रहे मांस मछली के विक्रय से नगर में गंदगी फैलने के साथ साथ लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेंस पहुंचने से भी नही चूक रही है? क्योंकि इस प्रकार से मांस मछली सहित अंडे का व्यापार करने वाले लोगों द्वारा न तो नगर के मंदिरों का ध्यान रखा जा रहा है और न ही शिक्षण संस्थाओं का जिसके चलते लोगों में इस प्रकार से खुलेआम बिक रहे मांस मछली के विक्रय को लेकर आक्रोश देखने मिल रहा है? इस प्रकार से धडल्ले से विक्रय होने वाले मांस मछली की सच्चाई इस समय नगर की पानी टंकी सहित सहित अन्य स्थानों पर देखने मिल रही है। बताया जाता है कि पानी टंकी के पास जहां नगर का एक मात्र गायत्री मंदिर स्थित है वही हनुमान मंदिर के साथ साथ शिक्षण संस्था भी स्थापित है, मगर इसके बाद भी यहां पर प्रतिदिन शाम के वक्त जहां खुलेआम मछली विक्रय होते हुये देखी जा रही है वही अनेक मांस की दुकाने भी संचालित हो रही है, इस स्थिति में जब कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो उसे सबसे पहले इस प्रकार से विक्रय होने वाली मांस व मछली पर नजर पड़ते हुये उसकी धार्मिक भावना को ठेस पहुंच रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई स्कूली बच्चों में भी देखने मिल रही है जिन्हें इस प्रकार खुलेआम विक्रय होने वाले मांस व मछली के चलते घृडा का शिकार होते हुये देखा जाता है। कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के पलोटन गंज जाने वाले मार्ग पर देखी जा रही है जहां हनुमान मंदिर व आचार्य मंदिर से चंद कदम दूरी पर खुलेआम बिरयानी विक्रय का वोर्ड अपनी शोभा बढ़ाने से नही चूक रहा है, यही हाल नगर के अन्य स्थानों पर भी देखने मिल रहा है? इस प्रकार से निर्धारित स्थल के जगह नगर के प्रमुख व धार्मिक स्थलों के आसपास होने वाले मांस मछली विक्रय को लेकर न तो प्रशासन द्वारा कोई कदम उठाया जा रहा है और नही नपा प्रशासन द्वारा जिसके चलते नगर में खुलेआम गंदगी का महौल निर्मित होने से नही चूक पा रहा है। इस प्रकार से नगर की गलियों व धार्मिक स्थलों के आसपास होने वाले मांस मछली विक्रय पर अंकुश लगाने की मांग की जा रही है।

## लगातार चैकिंग होने के बाद भी इन पर क्यों नहीं लग पा रहा है अंकुश?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि पुलिस प्रशासन द्वारा आये दिन वाहनों की चैकिंग करते हुये चालाना कार्यवाही तो की जा रही है मगर चैकिंग दौरान वाहनों में क्या जांच करते हुये कार्यवाही की जाती है यह चर्चा का विषय बना हुआ है..? जबकि गौर किया जावे तो किसी भी वाहन में कंपनी द्वारा निर्धारित किये गये हार्न के आलवा अन्य दूसरे प्रकार का हार्न लगा पाया जाना नियम के विरूद्व माना जाता है जिस पर कार्यवाही का प्रावधान होने के बाद भी पुलिस द्वारा इन्हे नजर अंदाज किया जाना पुलिस द्वारा की जाने वाली चालानी कार्यवाही पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है? क्योंकि देखा जावे तो इस समय दो पहिया से लेकर चार पहिया वाहनों मे प्रेशर हार्न का चलन आम नागरिकों के लिये परेशानी का सबब बन रहा है। जो कान फोडू आवाज वाले इन प्रेशर हार्न से कई बार राह चलते लोग भौचक रह जाते है तथा कभी कभी अपना संतुलन खो देते है,मोटर साईकिल,आटों व अन्य छोटे बड़े वाहनों यहां तक कि ट्रक आदि चार पहिया वाहनों मे इन दिनों तेज आवाज वाले प्रेशर हार्न लगाने का फैशन सा चल पड़ा है। लेकिन प्रेशर हार्न से राह गुजरते लोगों को कई बार दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अक्सर देखा जाता है कि जब एक ओर इन प्रेशर हार्नों की वजह से अधिक शोरगुल होता है। वही दूसरी ओर कई बार राह चलने वाले इन तेज आवाज वाले हार्न से भौजक रह जाते है और कभी कभार अपना संतुलन भी खो बैठते है। दप्तरों के कर्मचारी भी परेशान-आम नागरिकों के अलावा आफिस दप्तरों मे काम कर रहे कर्मचारी अधिकारी भी इन तेज आवाज के प्रेशर हार्न से विचालित हो जाते है,अनायास ही उनका ध्यान इन प्रेशर हार्न की ओर जाता है जिसके कारण उनके काम पर भी बुरा असर पड़ता है। वही नगर की प्रमुख सड़क के किनारे स्थित शासकीय चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को भी इन हार्नो के चलते परेशानियों से गुजरना पड़ता है। वही स्कूलों में पढ़ने वालें बच्चों की स्थिति तो और खराब ही रहती है। युवा वर्ग मे अधिक क्रेज-प्रेशर हार्न और स्टाईलिश हार्न का क्रेज युवा वर्ग मे अधिक है जो फर्राटे भरते हुए अपने दो पहिया वाहनों मे तेज आवाज और स्टाईलिश वाहनों का इस्तेमाल करते है। शौकिन युवा वर्ग ऐसे मंहगे प्रेशर हार्न को अपने वाहन मे लगाना अपनी शान समझते है तथा सुबह पांच बजे से ही अपने वाहनों में लगे इन हार्नो को सड़कछाप मंजनुओं की तरह स्कूल व कोचिंग तथा टियूशन जाने वाली छात्राओं के आगे पीछे घूमकर उन्हें परेशान करने लगते है। ट्रको मे भी होते है इस्तेमाल- दो पहिया वाहनों के अलावा लम्बी दूरी के सफर करने वाल ट्रकों मे भी प्रेशर हार्न का प्रयोग किया जा रहा है, प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में कोयला भरकर यहां के स्कूलो, थाना व कचहेरी के सामने से गुजरते है। कुल मिलाकर इन तेज आवाज वाले कानफोडू स्टाईलिश प्रेशर हार्न मे जहां कोलाहल बढ़ रहा है वही आम नागरिकों को कई बार दिक्कतों का सामना भी करना पड़ रहा हे। अतः नगरवासियों द्वारा पुलिस प्रशासन से कानफोडू हार्न वालें वाहनों पर कार्यवाही की मांग की गई है।

## पंचायतों में पौधे के साथ प्लेट फार्म भी हो रहे हैं गायब हर वर्ष लाखों खर्च होने के बाद भी दर्शन नहीं दे रहे पेड़

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

राष्टीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के तहत क्षेत्रवासियों की उम्मीद थी कि इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे लगाए जा रहे पेड़ों से क्षेत्र हरित जिले मे स्थान पा सकेगा,लेकिन आलम यह है कि लगाए गए पेड़ तों गायब ही है साथ ही उनके लिए बने प्लेट फार्म भी लगभग गायब होते जा रहे है,जिस कारण क्षेत्रवासियों का यह समना ग्राम पंचायतों के पिछली पंचवर्षीय सरपंच,सचिवों एवं योजना को लागू करने वाले अधिकारी एवं उपयांत्रियों की मनमानी की भेंट चढ़ गया है। जानकारी अनुसार क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में वर्तमान समय तक बमुश्किल पचास प्रतिशत भी पेड़ सुरक्षित नही है अधिकतर ग्राम पंचायतों का हाल यह है कि लगभग सारे पेड़ सूख चुके है और उनके लिए बनाए गए प्लेट फार्म टूटकर विखरने लगे है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायतों मे ग्रामीणों को काम देने और हरियाली बढ़ानें के उद्देश्य से बड़ी संख्या मे पेड़ लगाए गए थे जिसके लिए करोड़ो रूपये का बजट खर्च किया गया है। इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे वृक्षारोपण, वृक्षों की सुरक्षा एवं सिंचाई पर लगभग लाखो रूपये की राशि खर्च की गई है, लेकिन इस खर्च का कोई मतलब नही दिखाई दे रहा है? बीते हुए वर्षो में इस योजना के अंतर्गत की अनेक ग्राम पंचायतों मे पौधें लगाने के लिए राशि उपलब्ध कराई गई थी। लेकिन ट्री गार्ड के निर्माण कार्यो में अनेकों ग्राम पंचायतो मे अनियमितता बरती गई है? जिसका जीता जागता उदाहरण जनपद पंचायत चीचली, सांईखेड़ा व चावरपाठा की अनेक ग्राम पंचायतों में जाकर देखा जा सकता है। हैरत की बात तो यह है कि क्षेत्र के आला अधिकारी भी इस विषय की जानकारी रखते हुये भी इस ओर कड़े कदम उठाने की बजाय चुप्पी साधें हुये है। क्षेत्र मे जहां कही भी हरियाली महोत्सव के नाम राशि को खर्च किया गया है। वहां यह योजना दम तोड़ चुकी नजर आ रही है। काबिल गौर है कि रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरों को काम मुहैया कराने व विकास के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की गई थी, लेकिन जहां कही भी यह योजना हरियाली महोत्सव के नाम पर चलाई गई वहां परिणाम केवल कागजों मे सिमट कर रह गए है। वस्तु स्थिति कुछ अलग बयां कर रही है कि ट्री गार्ड तो निर्माण करवाये गए थें, लेकिन पौधे तैयार नही हो सके,क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों मे जाकर देखा जाए तो ट्री गार्ड के नाम पर इस राशि का बंदरवाट जमकर किया गया है? वही कुछ पंचायातों में तो ट्री गार्ड के नाम से राशि निकालकर पौधों के चारो ओर बेसर्म की बाड़ी लगा दी गई थी, जिससे पैसा की जगह बेसर्म तैयार हो गई है। पूर्व के पंचायती राज कार्यकाल के समय मे रहे सरपंच और सचिव तथा अधिकारियों की मिली भगत दिखाई दे रही है, इसके लिए समूचा प्रशासन तंत्र व ग्राम पंचायत के जन प्रतिनिधियों की अनियमितताएं खुले रूप मे उजागर हो रही है? विभिन्न ग्राम पंचायतों के विगत पंचवर्षीय मे सरपंच, सचिव व अधिकारियों की इस घोर अनियमितता के चलते क्षेत्रवासियों का हरित क्रांति का सपना अधूरा रह गया है।

## पंचायतों में भाई भतीजावाद के चलते सरकारी योजनाएं हो रही फेल, पात्र हितग्राही योजनाओ का लाभ लेने भटक रहे..?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। इस समय देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा गरीबों के हितों का ध्यान रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चला रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री आवास व केन्द्र सरकार प्रधान मंत्री आवास योजना तथ पूर्व से संचालित इंदिरा आवास योजनाएं शामिल है। मगर इन योजनाओं को चलते जनपद पंचायतों के द्वारा ग्राम पंचायतों के माध्यम से काफी समय से संचालित की जा रही है, परंतु इसके बाद भी आज इसके वास्तविक हकदार इन योजनाओं का लाभ पाने से वंचित नजर आ रहे है? यह योजना विगत काफी समय से संचालित की जा रही है, यदि इसका सही क्रियान्वयन होता तो लगभग हर ग्राम पंचायत में गरीबों को आवास मिल चुका होता, परंतु आँकड़ों की जादूगरी में

यह योजना ऐंसी गुम हुई कि इसके वास्तविक हकदार आज भी परेशान हैं? और योजना के आँकड़े हजारों के लाभान्वित हो जाने की जानकारी दे रहे हैं? ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम सभाओं के माध्यम से यह तय किया जाता है कि इंदिरा आवास योजना का लाभ इसे दिया जाता है। हालाकि विगत वर्षों में इसके लक्ष्य को हल कर दिया गया है, ग्राम सभायें कागजी होड़ की हैं तथा इन ग्राम सभाओं में आमजन की भागीदारी भव्य होती है हालाकि कागजी खानापूर्ति की जाती है? आमजन की अनुपस्थिति के चलते सरपंच अपनी मर्जी के अनुसार नाम तय कर लेते हैं और उसे इस योजना का लाभ मिल जाता है और इसमें वह गरीब जो इसका असली हकदार होता है वह पिछड़ जाता है, यदि ग्रामीण क्षेत्रों का रूख किया जावे तो अनेक जगहों पर तो शिकायत तो यह भी है कि इस योजना में मिलने वाली सच्चाई को यूँ ही गुम कर दिया जाता है। कई बार पूरी राशि और कई बार पहली किस्त के बाद मिलने वाली राशि को गुम कर दिया जाता है। नतीजतन यदि इस योजना से कोई आवास बनाना भी चाहता है तो वह पहली किस्त में मिली राशि के उपयोग के बाद दूसरी किस्त के लिये भटकता ही रह जाता है। कुद इसी प्रकार की सच्चाई इंदिरा आवास योजना के क्रियान्वयन में आ रही इन परेशानियों से बड़े अधिकारी अपरिचित नहीं हैं परंतु उदासीन अवश्य हैं। अगर विगत कुछ वर्षों के आँकड़ों की जाँच ही करा ली जाये तो शर्मसार कर देने वाले परिणाम सामने आ सकते हैं।

## खबर संक्षेप

### समय पूर्व जन्मे आदिवासी बच्चे की आंखों की रोशनी बची

**अनूपपुर।** अनूपपुर जिले के जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम सकरा निवासी आदिवासी तेरसिया बैगा के नवजात शिशु की आंखों की रोशनी जिला प्रशासन स्वास्थ्य विभाग की पहल पर समय पर इलाज मिलने से बच गई। बच्चे का जन्म समय से पूर्व और बेहद कम वजन के साथ हुआ था। समय पूर्व जन्म के कारण बच्चे की आंखों का विकास पूरा नहीं हो पाया था। जांच में पता चला कि रेटिना की खून की नलियां असामान्य रूप से विकसित हो गई थीं। चिकित्सकों के अनुसार यह रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी की स्थिति थी, जिसमें रेटिना के उखड़ने और संकुचित होने का खतरा रहता है। समय पर इलाज न मिलने पर बच्चा स्थायी रूप से दृष्टिहीन हो सकता था। इस गंभीर समस्या का उपचार किसी बड़े प्राइवेट आई हॉस्पिटल में ही संभव था। लेकिन इलाज का खर्च लाखों में था, जिसे तेरसिया बैगा का परिवार वहन करने में असमर्थ था। नेत्र विभाग, जिला चिकित्सालय अनूपपुर ने मामले को गंभीरता से लिया। जिला अस्पताल के नेत्र विशेषज्ञ डॉ जनक सारीवान ने राज्य स्तर के अधिकारियों से समन्वय कर बच्चे को सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय, चित्रकूट रेफर कराया। वहां बच्चे का पूरा इलाज निरूशुल्क किया गया। इलाज के बाद अब बच्चे की आंखें पूरी तरह सुरक्षित हैं और दृष्टि के विकास की प्रक्रिया सामान्य है। बच्चे के परिजनों ने जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय का आभार जताया है। जिला चिकित्सालय के नेत्र सर्जन एवं रेटीना विशेषज्ञ डॉ जनक सारीवान ने बताया कि समय पूर्व जन्मे कम वजन के बच्चों में आरओपी की जांच अनिवार्य है। जिला अस्पताल में नवजात शिशुओं की स्क्रीनिंग लगातार की जा रही है ताकि समय रहते इलाज कर बच्चों की रोशनी बचाई जा सके।

### भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा में समीर मानिकपुरी को जिला मंत्री की जिम्मेदारी

**अमरकंटक।** भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा, अनूपपुर जिला संगठन द्वारा युवा एवं सक्रिय कार्यकर्ता समीर मानिकपुरी को जिला मंत्री नियुक्त किए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं जनजातीय समाज में हर्ष और उत्साह का वातावरण व्याप्त है। संगठन द्वारा महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाने के बाद समीर मानिकपुरी ने इसे अपने जीवन का गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है। समीर मानिकपुरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र सेवा, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के सिद्धांतों पर आधारित संगठन है। उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन वे पूर्ण निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के उत्थान, युवाओं के सशक्तिकरण तथा संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वे निरंतर कार्य करते रहेंगे। उन्होंने पार्टी नेतृत्व एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन सभी कार्यकर्ताओं के विश्वास और सहयोग का परिणाम है जो संगठन को मजबूत बनाने में सतत योगदान दे रहे हैं। समीर मानिकपुरी लंबे समय से स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता जैसे जनहितकारी कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। स्वच्छ भारत अभियान के तहत उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर स्वच्छता का संदेश दिया, वहीं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है।

### बिलासपुर-कटनी रेल सेक्शन से संसदीय क्षेत्र कव्हर कर रही दो अंत्योदय ट्रेन हुई बंद

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** शहडोल संसदीय क्षेत्र अंतर्गत बिलासपुर-कटनी रेल सेक्शन को कव्हर करते हुए चलने वाली दो अंत्योदय एक्सप्रेस पूरी तरह से बंद कर दी गई एवं उस ट्रेन के नंबर से दूसरी ट्रेन अन्य रेलवे में प्रारंभ कर दी गई। बताया जाता है कि रेलवे ने साप्ताहिक चलने वाली बिलासपुर-बीकानेर ट्रेन को ऑक्युपेंसी कम होने का कारण बता कर बंद कर दी। वहीं दूसरी अंत्योदय साप्ताहिक दुर्ग-फिरोजपुर ट्रेन को कोरोना महामारी के समय बंद कर दिया गया। उसके बाद ट्रेन को पटरी पर नहीं लाया गया और धीरे-धीरे रेलवे ने इस मार्ग की दोनों अंत्योदय ट्रेन को पूरी तरह से बंद कर उस ट्रेन के नंबर से अन्य मार्ग पर दूसरी ट्रेन चला दी। जो बिलासपुर-कटनी रेल सेक्शन के लिए काफी दुखदाई है। शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह कई बार रेल मंत्री से मिली लेकिन आवश्यकता के अनुरूप जो जनमानस की मांग है उस कार्य में रेलवे बोर्ड को सामने रखकर कार्यों को अंजाम नहीं दिया जा रहा।

# करंजिया शिक्षा विभाग में फिर अतिरिक्त प्रभार का मामला, प्रशासनिक व्यवस्था पर उठे सवाल

*डिंडौरी।* करंजिया विकासखंड का शिक्षा विभाग एक बार फिर प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में है। इस बार मामला विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के पद पर अतिरिक्त प्रभार सौंपे जाने का है। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार सेवानिवृत्त हुए प्रभारी बीईओ चिंताराम कुशराम के स्थान पर उत्कृष्ट विद्यालय करंजिया के प्रभारी प्राचार्य एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसी) अजय राय को प्रभारी बीईओ का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है।आदेश जारी होने के बाद शिक्षा विभाग के भीतर और स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी का पद शिक्षा विभाग की निगरानी, समन्वय और शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में एक ही अधिकारी को एक साथ कई

महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार अजय राय वर्तमान में उत्कृष्ट विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य एवं बीआरसी के रूप में पहले से कार्यरत हैं। इन दोनों पदों पर विद्यालय संचालन, शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी, शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन तथा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां शामिल हैं। अब बीईओ का अतिरिक्त प्रभार मिलने से उनके प्रशासनिक दायित्व और बढ़ गए हैं।शिक्षा क्षेत्र से जुड़े जानकारों का मानना है कि एक अधिकारी के पास अनेक महत्वपूर्ण पदों का प्रभार होने से कार्यों के निष्पादन और निगरानी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। उनका कहना है कि प्रत्येक पद की अपनी अलग कार्यप्रणाली और चुनौतियां होती हैं, जिनके लिए पर्याप्त समय और ध्यान अपेक्षित रहता है।करंजिया विकासखंड में वर्तमान समय में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार, छात्रवृत्ति योजनाओं का संचालन, पाठ्यपुस्तक वितरण, विद्यालयी अधोसंरचना विकास तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की निगरानी जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य चल रहे हैं। ऐसे में बढ़ता प्रशासनिक दायित्व विभाग के लिए चुनौती बन सकता है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी करंजिया शिक्षा विभाग विभिन्न कारणों से सुर्खियों में रहा है। कुछ समय पूर्व विद्यार्थियों को वितरण के लिए आई साइकिलों को वाहन से उतरवाने में छात्रों के उपयोग का मामला सामने आया था, जिसके बाद विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े हुए थे। उस घटना ने भी निगरानी और जवाबदेही व्यवस्था को लेकर चर्चाओं को जन्म दिया था।इधर, अतिरिक्त प्रभार की नई व्यवस्था के बाद शिक्षा विभाग में अधिकारियों की उपलब्धता और कार्यों के संतुलित वितरण को लेकर बहस तेज हो गई है। स्थानीय नागरिकों एवं शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का मानना है कि महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर नियमित नियुक्तियां होने से विभागीय कार्यों की दक्षता और जवाबदेही दोनों बेहतर हो सकती हैं।

हालांकि विभागीय सूत्रों का कहना है कि कई बार प्रशासनिक आवश्यकताओं और अधिकारियों की कमी के कारण अतिरिक्त प्रभार की व्यवस्था करनी पड़ती है। यह एक अस्थायी व्यवस्था होती है, जिससे विभागीय कार्य प्रभावित न हों और प्रशासनिक निरंतरता बनी रहे।फिलहाल अजय राय ने प्रभारी बीईओ का कार्यभार संभाल लिया है। लेकिन इस नियुक्ति ने शिक्षा विभाग में मानव संसाधन की उपलब्धता, कार्य विभाजन और प्रशासनिक प्रबंधन को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब निगाहें इस बात पर हैं कि विभाग भविष्य में इन पदों पर नियमित नियुक्तियां कर प्रशासनिक व्यवस्था को कितना मजबूत बना पाता है।

**इनका कहना है**

**अंजू जितेंद्र व्यौहार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति सभापति**

करंजिया में बीईओ का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने का मामला गंभीर है। प्रथम दृष्टया यह निर्णय नियमों के अनुरूप प्रतीत नहीं होता और इसकी जांच होना आवश्यक है। मैं इस विषय को शिक्षा समिति की आगामी बैठक में प्रमुखता से उठाऊंगी तथा पूरे मामले की जांच कराने की मांग करूंगी। यदि नियुक्ति या प्रभार सौंपने में किसी प्रकार की मनमानी हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। शिक्षा विभाग में सभी नियुक्तियां और प्रभार नियमानुसार एवं पारदर्शी तरीके से दिए जाएं, ताकि व्यवस्था पर किसी प्रकार का प्रश्नचिह्न न लगे।

**राजू सिंह उइके, जनपद अध्यक्ष करंजिया**

शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण पदों पर पूर्णकालिक अधिकारियों की नियुक्ति होनी चाहिए। एक ही अधिकारी को कई जिम्मेदारियां देने से कार्य प्रभावित हो सकता है। विद्यार्थियों के हित में रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति कर शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाना चाहिए।

**कृष्णलाल हस्तपुरिया, पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा**

करंजिया विकासखंड में बीईओ का अतिरिक्त प्रभार देने में वरिष्ठता और नियमों की अनदेखी की गई है। विभाग में कई वरिष्ठ और पात्र अधिकारी मौजूद हैं, इसके बावजूद अजय राय को प्रभार सौंपा गया है। हमारी मांग है कि इस नियुक्ति की निष्पक्ष जांच कराई जाए और नियमानुसार वरिष्ठता के आधार पर पात्र अधिकारी को बीईओ का प्रभार दिया जाए। शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभाग में नियमों के विपरीत लिए गए निर्णयों से प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होती है, इसलिए इस मामले में तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई आवश्यक है।

# आरोह समर कैंप 2026 का समापन, उत्कृष्ट खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का सम्मान

**डिंडौरी।** खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित एक माह का ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह समर कैंप 2026शुक्रवार को कलेक्ट्रेट खेल मैदान में संपन्न हो गया। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में आयोजित यह शिविर 5 मई से 5 जून तक जिले के विकासखंड, तहसील एवं जिला मुख्यालय स्तर पर संचालित किया गया।समापन समारोह में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा तथा एसडीएम भारती मेरावी विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर के दौरान बच्चों ने विभिन्न खेल गतिविधियों और मनोरंजक कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन अवसर पर अधिकारियों ने भी खिलाड़ियों के साथ मनोरंजक खेलों में सहभागिता कर उनका उत्साह बढ़ाया।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने कहा कि खेल व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों से अनुशासन, सद्भावना और स्वस्थ जीवनशैली का विकास होता है, जो जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उनकी मांग पर बास्केटबॉल कोर्ट के निर्माण एवं खेल मैदान में प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।कार्यक्रम में हेमंत सिंह, राजेंद्र सिंह, सुदील बरमैया, खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी मो. अहमद खान, चेतराम अहिरवार, आरती सोधिया, वनाबल, सुनीता धुर्वे, नारायण सिंह मरावी, अनीता, रोशन बाबू, राजकुमार, अजीत धुर्वे और सुमन कुमार सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

# भाजपा मंडल अमरपुर की मासिक बैठक संपन्न

**अमरपुर।** भारतीय जनता पार्टी मंडल अमरपुर की मासिक बैठक का आयोजन रविवार को किया गया। बैठक की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। इसके पश्चात राष्ट्रगीत का गायन एवं अतिथियों का स्वागत किया गया।बैठक को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष आकाश नामदेव ने संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि पार्टी के निर्देशानुसार प्रत्येक माह एक से सात तारीख के बीच मंडल स्तर की बैठक आयोजित की जाएगी। इसके अलावा 20 तारीख के बाद 'मन की बात' कार्यक्रम से पूर्व सभी शक्ति केंद्रों की बैठकें आयोजित होंगी तथा माह के अंतिम रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के पश्चात मतदान केंद्र स्तर पर अनिवार्य रूप से बैठकें संपन्न कराई जाएंगी। उन्होंने

संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने तथा कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों एवं जनसंपर्क अभियानों को लेकर भी चर्चा की गई।बैठक को जिला मंत्री मालती तिवारी, जिला पंचायत सदस्य प्रीतम मरावी, जलेगांव सरपंच राय सिंह मरावी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता हारून खान ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया।इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष शोभा धुर्वे, महामंत्री रितेश उसराठे, संदीप पट्टा, मनीष ठाकुर, अमित मिश्रा, बलदेव तिलगाम, सूरज यादव, धनेश भारती, सूरज ठाकुर, उदयचंद यादव, दिनेश यादव, कामेश भारती सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# अनियंत्रित कार घर में घुसी, बालिका बाल-बाल बची

**अमरपुर।** पुलिस चौकी अमरपुर अंतर्गत ग्राम बिजौरी मॉल में शनिवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया, जब एक कार अनियंत्रित होकर एक मकान में जा घुसी। दुर्घटना में मकान का सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि घर के भीतर मौजूद एक मासूम बालिका सुरक्षित बच गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना दोपहर करीब 3 बजे की है। बताया गया कि कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और मकान के सामने बने छप्पर को तोड़ते हुए दीवार से जा टकराई। टक्कर की वजह से दीवार का एक हिस्सा भीतर की ओर गिर गया। जिस स्थान पर दीवार गिरी, वहां कुछ समय पहले तक एक बालिका सो रही थी। परिजन उसे उठाकर बाहर ले गए थे, जिससे वह हादसे की चपेट में आने से बच गई।

जानकारी के अनुसार क्षतिग्रस्त मकान मोजेलाल यादव का है, जबकि वाहन देवी यादव का बताया जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से समझौता हो गया है। वाहन मालिक ने क्षतिग्रस्त दीवार का पुनर्निर्माण कराने की सहमति दी है। इस संबंध में दोनों पक्षों द्वारा लिखित राजीनामा भी प्रस्तुत किया गया है।स्थानीय लोगों के अनुसार संबंधित वाहन नया है और उस पर अभी पंजीयन संख्या अंकित नहीं हुई है। हालांकि वाहन के दस्तावेजों और चालक के लाइसेंस संबंधी जानकारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन समय रहते बालिका के सुरक्षित बाहर आ जाने से एक संभावित बड़ा हादसा टल गया।

# मानसून पूर्व तैयारियों का जायजा लेने नगर के विभिन्न क्षेत्रों का किया निरीक्षण

**डिंडौरी।** आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए नगर परिषद द्वारा मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर निरीक्षण एवं सुधार कार्यों में तेजी लाई गई है। इसी क्रम में प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष कोरी ने अवकाश दिवस पर नगर के विभिन्न वार्डों, जलभराव संभावित क्षेत्रों तथा प्रमुख नालों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने नालों की साफ-सफाई, जल निकासी व्यवस्था, स्वच्छता प्रबंधन एवं सड़कों की स्थिति का अवलोकन किया। जहां भी कमियां पाई गईं, वहां संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। कई स्थानों पर समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कराया गया।

प्रभारी सीएमओ ने सभी विभाग प्रमुखों को अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर आवश्यक

कार्यों की समीक्षा करने तथा दिनभर की प्रगति रिपोर्ट शाम तक प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए नगर परिषद द्वारा पूर्व तैयारियां की जा रही हैं।श्री कोरी ने बताया कि जलभराव की समस्या वाले क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक सुधार कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही नालों की नियमित सफाई, जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।उन्होंने नागरिकों से भी नगर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने और गंदगी फैलाने की शिकायत मिलने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने में नागरिकों की सहभागिता भी आवश्यक है।निरीक्षण के दौरान जल प्रदाय प्रभारी निखिल, उपयंत्री यशवंत मेसराम, राजस्व प्रभारी सुरेंद्र शुक्ला, सफाई दरोगा विजय रजक सहित नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## विश्व साइकिल दिवस पर अनूपपुर में निकली जागरूकता साइकिल रैली

**अनूपपुर।** खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर 7 जून को जिला मुख्यालय अनूपपुर में भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य, फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण तथा ईंधन बचत के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम को कलेक्टर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा प्रभारी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी जगनाथ मरकाम का संरक्षण प्राप्त रहा। साइकिल रैली का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला खेल प्रशिक्षक एवं जिला वॉलीबॉल संघ के सचिव रामचंद्र यादव, ग्रामीण युवा समन्वयक एवं स्टेट रेफरी-नेशनल ट्रेनर वॉलीबॉल दिनेश कुमार सिंह चंदेल, ग्रामीण युवा समन्वयक खेलन प्रसाद कोल एवं पूरन सिंह श्याम द्वारा किया गया। रैली का शुभारंभ उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर से हुआ। प्रतिभागी छात्र-छात्राएं एवं खिलाड़ी इंदिरा चौक, पुराना तहसील रोड एवं न्यायालय रोड होते हुए शासकीय तुलसी महाविद्यालय (प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस) अनूपपुर पहुंचे, जहां रैली का समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जैतहरी तहसील के तहसीलदार रमाकांत तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। कार्यक्रम में तुलसी महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी रामायण प्रसाद वर्मा, कन्या महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी इंद्र नारायण काक्षी, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य अजय कुमार जैन, एनसीसी प्रभारी उदय प्रताप सिंह, स्काउट-गाइड प्रभारी रमाकांत द्विवेदी, वरिष्ठ खिलाड़ी दिनेश पटेल, व्यायाम शिक्षक धनीराम वनवासी, समाजसेवी दिवाकर सिंह, अखिलेश सिंह, पुलिस विभाग से सहायक उपनिरीक्षक उमेश सिंह बघेल, ट्रैफिक पुलिस से रिजवान खान, चिकित्सा विभाग से बी.डी. कोरी एंबुलेंस दल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। रैली के दौरान ब्लॉक समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग जैतहरी तथा जिला वॉलीबॉल संघ के सहसचिव दिनेश कुमार सिंह चंदेल ने मंच संचालन करते हुए प्रतिभागियों से साइकिल चलाए, डीजल-पेट्रोल बचाए साइकिल चलाए, सेहत बनाए, पेड़ लगाए, जीवन बचाए जैसे प्रेरक नारे लगवाए।

# पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, सड़क पर उतरे ग्रामीणों ने जताया विरोध

**डिंडौरी।** जनपद पंचायत डिंडौरी अंतर्गत ग्राम पंचायत रकरिया के बाजार टोला में गहराते पेयजल संकट के विरोध में ग्रामीणों ने रविवार को रकरिया-चौरा-छिंदगांव मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने सड़क पर खाली बर्तन रखकर प्रशासन और पंचायत के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय तक मार्ग पर आवागमन भी प्रभावित रहा।ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई दिनों से गांव में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। हैंडपंपों और कुओं में पानी का स्तर लगातार घटने से लोगों को दैनिक जरूरतों के लिए भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि कई परिवारों को करीब डेढ़ किलोमीटर दूर स्थित जलस्रोतों से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा

है।ग्रामीण महिलाओं ने आरोप लगाया कि पंचायत द्वारा 4 जून से टैंकर के माध्यम से जलापूर्ति की व्यवस्था की गई है, लेकिन इसका लाभ गांव के सभी मोहल्लों तक समान रूप से नहीं पहुंच पा रहा है। उनका कहना है कि टैंकर की उपलब्धता सीमित होने के कारण कई परिवारों को पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा, जिससे समस्या बनी हुई है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव के अधिकांश परंपरागत जलस्रोत लगभग सूख चुके हैं। जो जलस्रोत उपलब्ध हैं, उनमें भी पानी की मात्रा कम है और उसकी गुणवत्ता को लेकर भी लोगों में चिंता बनी हुई है। ऐसे में भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है।मामले में ग्राम पंचायत का पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि समस्या को लेकर कई बार पंचायत और संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है।ग्रामीणों ने मांग की है कि गांव में नियमित जलापूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा पेयजल संकट के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उनका कहना है कि अस्थायी व्यवस्थाओं के बजाय दीर्घकालिक समाधान की आवश्यकता है, ताकि हर वर्ष गर्मी के मौसम में उत्पन्न होने वाली इस समस्या से राहत मिल सके।पेयजल संकट को लेकर हुए इस प्रदर्शन ने ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता और जलापूर्ति व्यवस्थाओं को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब लोगों की नजर प्रशासन की आगामी कार्रवाई और समस्या के समाधान पर टिकी हुई है।

# बस स्टैंड में मिले अज्ञात नवजात शिशु की पुलिस एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया अंतिम संस्कार

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** शनिवार की शाम अनूपपुर नगर के बस स्टैंड में स्थित सुलभ कांप्लेक्स में एक अज्ञात तत्काल का पैदा हुआ नवजात शिशु बालक मृत स्थिति होने पर पुलिस ने बरामद किया जिसकी विभिन्न माध्यमों से खोज बीन किए जाने पर अज्ञात महिला एवं अन्य आरोपियों की जानकारी नहीं मिल सकी, रविवार की दोपहर अज्ञात नवजात शिशु के शव का पीएम कराने बाद पुलिस ने पुलिस एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में सोननदी के किनारे स्थित मुक्तिधाम में दफनाकर अंतिम संस्कार कराया साथ ही जन्म देने वाली अज्ञात महिला एवं अन्य आरोपियों की विभिन्न माध्यमों से निरंतर खोजबीन की जा रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम कोतवाली पुलिस अनूपपुर को सूचना मिली कि अनूपपुर नगर के बस स्टैंड में स्थित सुलभ कांप्लेक्स के शौचालय में एक नवजात शिशु मृत स्थिति में है पर सहा उप निरीक्षक महिपाल प्रजापति पुलिस दल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर अज्ञात नवजात शिशु बालक के शव को कब्जे में लेकर जिला चिकित्सालय के शव परीक्षण कक्ष के फ्रीजर में सुरक्षित रखाते हुए अज्ञात महिला एवं अन्य आरोपियों की विभिन्न माध्यमों से खोजबीन कर रही है इस बीच रविवार की दोपहर पुलिस के द्वारा नवजात शिशु बालक के शव का ड्यूटी डॉक्टर संजय सिंह से शव परीक्षण करवा कर नगरपालिका अनूपपुर के उपयंत्री बृजेश पांडेय, स्वच्छता निरीक्षक बृजेश मिश्रा के सौजन्य से जेसीबी से सोननदी के किनारे स्थित मुक्तिधाम में कोतवाली थाना अनूपपुर के आरक्षक अमित यादव, पुलिस सहायता केंद्र जिला चिकित्सालय अनूपपुर के आरक्षक आशीष तिवारी, अनूपपुर नगर के सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल, महेश प्रसाद रौतेल, गोपाल प्रसाद राठौर की उपस्थिति में मृत नवजात शिशु के शव को कफन से ढक कर फूल, अगरबत्ती अर्पित करते हुए सामाजिक रीति रिवाज अनुसार अंतिम संस्कार किया। पुलिस अज्ञात आरोपियों की विभिन्न माध्यमों से खोजबीन करते हुए आम जनों से इस संबंध में किसी भी तरह की जानकारी मिलने पर कोतवाली पुलिस को तत्काल दिए जाने की बात कही है।

## खबर संक्षेप

### 220108.726 हेक्टेयर पर गिरदावरी का कार्य पूर्ण

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक 271325 खसरों का क्षेत्रफल 220108.726 हेक्टेयर पर गिरदावरी का कार्य पूर्ण हो चुका है। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह द्वारा गिरदावरी कार्य की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है और सभी एसडीएम व तहसीलदार को भी गिरदावरी कार्य की समीक्षा दैनिक रूप से करने के निर्देश दिए हैं। राजस्व विभाग के पटवारी और राजस्व निरीक्षक लगातार खेतों में पहुंचकर सर्वे का कार्य कर रहा है।

### नहीं रहे रमेशचंद्र राय

**तेंदूखेड़ा ।** नगर के प्रतिष्ठित ग़ल्ला व्यवसायी राय परिवार के मुखिया रमेशचंद्र राय का लम्बी बीमारी के बाद असमय दुखद निधन हो गया। श्री राय गोविन्द राय अशोक राय के बड़े भाई एवं पार्षद ओमप्रकाश राय धर्मेंद्र राय अरुण राय के पूज्य पिताजी थे।सहज सरल सेवाभावी धार्मिक आध्यात्मिक गतिविधियों में संलग्न रहने वाले रमेशचंद्र राय के निधन पर सभी वर्गों के लोगों ने शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए श्रद्धाजलि अर्पित की है।

### सर्पदंश होने पर नजदीकी अस्पताल में ले जाकर एंटी स्नैक बेनम इंजेक्शन लगवायें

**तेंदूखेड़ा** अक्सर कर बरसात शुरू होने के पूर्व से ही सर्पदंश की घटनाएं दुर्घटनायें खूब देखने को मिला करती है।ऐसी स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को लोग सबसे पहले झाड़ फूंक या अन्य स्थानों पर ले जाकर समय गंवा देते हैं जब तक जहरीला जहर शरीर में प्रभाव दिखा कर जीवन लीला समाप्त कर देता है। हमारे प्रतिनिधि को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. दामोदर जाटव ने बताया कि बारिश के दिनों में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इनसे बचने के लिए घर व खेत में खासी एहतियात बरतनी जरूरी है। यदि किसी व्यक्ति को सर्पदंश हो गया है तो उसे हिम्मत दिलाते हुए तुरंत अस्पताल लेकर आएं। कोशिश यह रहे कि खून की चाल बंद ना हो पाए । कोबरा या फन वाले जहरीले सर्पो के काटने से पीड़ित को पहले चक्कर आते हैं फिर उसे बेहोशी छाने लगती है। आज भी ग्रामीण व आदिवासी अंचलों में लोग सर्पदंश का इलाज झाड़-फूंक से कराने में विश्वास रखते हैं। यह स्थिति मरीज के लिए घातक हो जाती है। यदि सर्प जहरीला नहीं है तो मरीज की जान बच जाती है। लेकिन जहरीला है तो उसे अस्पताल ले जाकर एंटी स्नैक बेनम लगवाना जरूरी है। जो शासकीय अस्पतालों में उपलब्ध रहते हैं।

**सावधानी रखना जरूरी**

जहरीले जंतुओं को पकड़ने में माहिर सिकंदर खान कहते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों खलिहानों के आजू बाजू कच्चे मकान झोपड़ी नुमा मकानों में विशेष निगरानी और सावधानी बरसात के दिनों में रखनी चाहिए।विचरण करने वाले जीव जंतु जहां तहां ठहर जाते हैं। इसलिए रात्रि के समय बाहर आने जाने नंगे पैर नहीं जाना चाहिए। तथा घरों की खूंटियों अरगनी पर सोने के विस्तर पहननें ओड़ने के कपड़े टांग देते हैं। इन कपड़ों को बिछाने के पहनने के कपड़ों को फटकार कर देखकर ओड़ना बिछाना चाहिए और कपड़े पहनाना चाहिए। अक्सर कर सांप गुहेरे बिच्छू जूदर मौका पाकर छिप जाते हैं। और अपने बचाव के चक्कर में काट देते हैं। घरों के बाजू में बिलों में भी साफ सफाई करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए साथ ही कंडों के बिठों से कंडे निकालते समय विशेष सावधानी की जरूरत होती है। पहले लकड़ी की सहायता से दूर से ही आवाज करें। यदि किसी के घरों में जहरीले जंतु होने घुसने की जानकारी है तो तत्काल सूचना देवें। उन्हें पकड़कर बाहर जंगल में छोड़ दिया जाता है।

## यातायात व्यवस्था सुधारने का प्रयास जारी

# दस्तूरी कार्रवाई में नपा ने हटाए 67 अस्थाई अतिक्रमण

**हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।** नगर में लंबे समय से स्थाई-अस्थाई अतिक्रमण से प्रभावित मुख्य सड़कों पर आवागमन जोखिम भरा बना है। गत दिवस नगर पालिका ने पुलिस बल के साथ नगर पालिका चौराहा से सुभाष पार्क तक सड़क किनारे लगने वाली करीब 67 अस्थायी दुकानों को हटाने का अभियान चलाया। इस दौरान फल, सब्जी और अन्य सामग्री बेचने वाले कई फुटपाथी विक्रेताओं को निर्धारित वैकल्पिक स्थल पर स्थानांतरित होने के निर्देश दिए गए। हालांकि कार्रवाई के साथ ही यह सवाल भी उठने लगे हैं कि शहर की प्रमुख सडकघें पर वर्षों से फैले स्थायी अतिक्रमणों पर प्रशासन कब कार्रवाई करेगा।

शहर में सडक किनारे दुकानें लगने से हर दिन यातायात प्रभावित होता है और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिससे सड़कों और फुटपाथों को खाली कराने निकाय ने कार्रवाई शुरू की है।

### यातायात होता है बाधित

नपा द्वारा हटाए गए अतिक्रमण से प्रभावित दुकानदारों को नगर पालिका के सामने चिन्हित स्थान पर व्यवसाय करने का विकल्प भी दिया गया है। लेकिन शहरवासियों का कहना है कि यातायात अव्यवस्था का कारण केवल अस्थायी दुकानें नहीं हैं। शहर के कई प्रमुख मार्गों पर स्थायी प्रतिष्ठानों के सामने बने चबूतरे,सीढियां, शेड, साइन बोर्ड और सड़क तक फैला सामान

लंबे समय से आवागमन में बाधा बने हुए हैं। कई स्थानों पर फुटपाथ पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं और पैदल चलने वालों को सडकघ पर चलना पड़ता है। निकाय को ऐसे स्थानों पर भी इसी तरह सख्ती से कार्रवाई करना चाहिए। लेकिन कुछ विशेष स्थानों पर ही प्रशासन की सक्रियता दिखती है। अतिक्रमण के कारण नगर की यातायात व्यवस्था वेपटरी हो जाती है जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिसे सुधारने का प्रयास नगर पालिका प्रशासन द्वारा पुलिस के सहयोग से किया जा रहा है।

### गायब हो रही सडक की चैड़ाई

नगर के सुभाष पार्क से मुशरान पार्क चैराहा तक का मुख्य मार्ग तथा सुनका चैराहा से सुभाष पार्क तक बाहरी रोड ऐसे क्षेत्र हैं, जहां सडक की उपयोगी चैड़ाई लगातार कम होती जा रही है। लोगों का कहना है कि इन क्षेत्रों में स्थायी-अस्थाई अतिक्रमण खुलेआम दिखाई देते हैं, लेकिन कार्रवाई मुख्य रूप से छोटे और अस्थायी व्यापारियों तक ही सीमित रहती है। यदि प्रशासन वास्तव में शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाना चाहता है तो कार्रवाई सभी प्रकार के अतिक्रमणों पर समान रूप से होनी चाहिए। केवल फुटपाथी दुकानदारों को हटाने से न तो यातायात समस्या का समाधान होगा और न ही शहर की सड़कों पर दबाव कम होगा। विगत दिवस प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई के बाद देखना होगा कि कब तक व्यवस्थित यातायात व्यवस्था मिल पाएगी। क्योंकि प्रशासन के आंखों से ओझल होते ही अतिक्रमण पुनः प्रारंभ हो जाता है।

### दुकानदारों को दी गई जगह

नगर पालिका व पुलिस प्रशासन द्वारा अतिक्रमण को लेकर की गई कार्रवाई के बाद दुकानदारों को अन्य स्थान पर विस्थापित करने की कार्रवाई भी की जा रही है फुटपाथी दुकानदारों को व्यवस्थित स्थान पर दुकान लगाने की सलाह दी जा रही है जिससे किसी के रोजगार पर भी प्रभाव ना पड़े। वही लोगों द्वारा कहा जा रहा है कि प्रशासन द्वारा छोटे व्यापारियों पर कार्रवाई की गई लेकिन बड़े व्यापारियों को छोड़ा जा रहा है। जो प्रशासन के दोहरे रवैये को भी दर्शा रहा है। प्रशासन को चाहिए की नगर में होने वाले अतिक्रमण पर समान रूप से कार्रवाई करे जिससे लोगों में फैल रहे भ्रम को कम किया जा सके। अब देखना होगा प्रशासन की कार्रवाई के बाद लोगों को कब तक व्यवस्थित यातायात सुविधाएं मिल पाएंगी। क्योकि नगर में दुकानदारों द्वारा रोड तक अतिक्रमण कर रखा है जो यातायात मे परेशानी उत्पन्न करता है। वही नगर के मध्य सिंहपुर चौराहे पर आए दिन जाम कि स्थिति भी निर्मित होती है जिस पर रोक लगाना आवश्यक है।

## स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** मानव सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को साकार करते हुए पुलिस लाइन नरसिंहपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, अति. पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, पुलिस विभाग के अधिकारी - कर्मचारी और पुलिस परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में लगभग 50 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। शिविर के दौरान ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. स्वाति मीणा, डॉ. पल्लवी शर्मा, डॉ. मध्यांतिका एवं डॉ. बिन्सी मौजूद थे। रक्तदान शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना

तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने कहा कि पुलिस केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाजहित के कार्यों में भी सदैव अग्रणी भूमिका निभाती है। उन्होंने सभी नागरिकों से समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करने की अपील की। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि रक्तदान से न केवल किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है, बल्कि यह समाज के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। शिविर के दौरान रक्षित निरीक्षक श्रीमती मनोरमा बघेल, सूबेदार लाखन बघेल, सूबेदार प्रियंक सराठिया, सूबेदार पुष्पराज सिंह एवं स्वास्थ्य विभाग से स्वप्निल चौरसिया, अजय सेन, अभिषेक कहार, शेख शाहरूख मौजूद थे।

## प्रशासन व विंध्यवासिनी कंपनी ने रोपे पौधे

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** गत दिवस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम के आह्वान को धरातल पर उतारने के लिए नरसिंहपुर कलेक्टर रजनी सिंह के निर्देश में एक बड़ी और सकारात्मक पहल सामने आई है। जिले में 1000 पौधे लगाने के लक्ष्य के तहत पवित्र नर्मदा तट के महादेव पिपरिया घाट पर एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन और विंध्यवासिनी माइनिंग कंपनी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नर्मदा तट को हरा-भरा बनाना और पर्यावरण का संरक्षण करना है। प्रशासन, कॉर्पोरेट और जनभागीदारी का त्रिवेणी संगम नरसिंहपुर कलेक्टर के निर्देशन में आयोजित इस महा-अभियान में प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके मार्गदर्शन में विंध्यवासिनी कंपनी, स्थानीय ग्राम पंचायत और ग्रामीणों ने कंधे से कंधा मिलाकर कामकिया।घाट पर नकेवलपौधेरोपेगए, बल्कि जिला प्रशासन और विंध्यवासिनी कंपनी की अगुवाई में स्थानीय निवासियों ने हर एक पौधे के पूर्ण संरक्षण और उन्हें जीवन देने का दृढ़ संकल्प भी लिया। विशेषज्ञों और प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, नर्मदा घाट पर लगाए गए ये

हजारों वृक्ष आने वाले समय में न केवल हवाको शुद्धकरेंगे,बल्किमाँनर्मदाकेतटों को भू-कटाव (मृदा अपरदन) से भी बचाएंगे। खास बातरू यह अभियान प्रशासन, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और जनभागीदारीकीएक अनूठीमिसाल बनकर उभरा है, जो यह साबित करता है कि सामूहिक प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण का हर संकल्प साकार हो सकता है।

### नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

**तेंदूखेड़ा।** विगत दिवस केशव शिक्षा समीति महाकौशल प्रांत का नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग दीक्षांत समारोह के साथ संपन्न हुआ। जिसमें नर्मदापुरम सांसद चौधरी दर्शन सिंह प्रादेशिक सचिव ईश्वरदास पटेल जिला पंचायत सदस्य धनंजय सिंह संदीप ममार अरविंद सिंह ठाकुर प्रांत प्रमुख की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।अतिथिपरिचय और अतिथि स्वागत के साथ शुरू हुये इस समापन अवसर पर वर्ग प्रतिवेदन राजेंद्र जैन ने रखा। जिसमें 9 जिलों के 42 विद्यालयों के 11आचार्य 66 दीदियों ने भाग लिया।10 दिवस के वर्ग अनुभव प्रशिक्षार्थियों ने मंच से साझा किए। प्रशिक्षण उपरांत परीक्षा एवं 10दिवस के समग्र मूल्यांकन के आधार पर वर्ग में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान की घोषणा के साथ सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किए गए। सामूहिक वर्ग गीत के बाद सांसद ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर योजना की समाज को आवश्यकता है इससे आए परिवर्तन एवं महत्वता देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विद्याभारती तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर भी अपने विचार रखे।

## जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 350 कंटूर ट्रेंचों का हुआ निर्माण

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वाधान में श्रीराम आरण्यक पहाड़ी चिनकी में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य किया जा रहा है। अब तक करीब 350 कंटूर ट्रेंच निर्मित किए जा चुके हैं। यह कार्य आगामी 30 जून तक निरंतर जारी रहेगा। कंटूर ट्रेंच निर्माण का कार्य नवांकुर संस्था प्रवाह जन पुनुरुत्थान समिति ग्वारी, अखिल विश्व गायत्री परिवार इकाई चिनकी तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चिनकी के सहयोग से निरंतर संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत पहाड़ी क्षेत्र में वर्षा जल संरक्षण के उद्देश्य से कंटूर ट्रेंच बनाए जा रहे हैं, जिनमें वर्षा का जल संचित होकर भूमि के भीतर पहुंचेगा। वर्षा जल को अधिकाधिक मात्रा में भू-जल स्तर में वृद्धि करना, पौधों एवं वनस्पतियों को पर्याप्त नमी उपलब्ध कराना तथा माँ नर्मदा को सदानीरा बनाए रखने में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से यह कार्य किया जा रहा है। जल संरक्षण की दिशा में यह अभियान पर्यावरण संतुलन एवं प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन का महत्वपूर्ण प्रयास बन रहा है।

## करकबेल जैन मंदिर में चोरी लोगों मे आक्रोश

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** बीती रात थाना क्षेत्र ठेमी के ग्राम करकबेल स्थित जैन मंदिर में अज्ञात चोरों ने चोरी की सनसनीखेज वारदात को अंजाम देकर क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया। बदमाश मंदिर का ताला तोड़कर भीतर दाखिल हुए और दान पेटी तोड़कर उसमें रखी नकदी पर हाथ साफ कर दिया। इसके अलावा मंदिर परिसर में लगे इनवर्टर, डीवीआर और सीसीटीवी कैमरे भी उखाड़कर ले गए, जिससे पुलिस जांच को प्रभावित करने की कोशिश की गई। घटना का सबसे संवेदनशील पहलू यह रहा कि चोरों ने गर्भगृह के बाहर स्थापित भगवान के चरणों को भी उखाड़ने का प्रयास किया। पार्श्वनाथ भगवान, चंद्र प्रभु भगवान एवं महावीर स्वामी भगवान की प्रतिमाएं अस्त-व्यस्त हालत में यहां-वहां पड़ी मिलीं। सुबह मंदिर पहुंचे

श्रद्धालुओं ने यह दृश्य देखा तो आक्रोश और पीड़ा का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं जैन समाज के लोग मंदिर पहुंच गए। जैन समाज के लोगों ने आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि चोरी के साथ-साथ धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया गया है। समाजजनों का कहना है कि गर्भगृह के आसपास की गई छेड़छाड़ से उनकी भावनाएं आहत हुई हैं। घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में नाराजगी व्याप्त है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी गोटेगांव मनीष त्रिपाठी, ठेमी थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित काकोड़िया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। डॉग स्क्वायड एवं फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीम ने मंदिर परिसर का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा संदिग्धों की तलाश में जुट गई है।

## करकबेल रेलवे फाटक छह दिनों के लिए बंद

**गो टे गां व ।** करकबेल रेलवे स्टेशन के समीप ग्राम बौछार मार्ग पर स्थित रेलवे फाटक क्रमांक 284 को रेलवे प्रशासन द्वारा छह दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। यह फाटक 5 जून से 11 जून तक पूरी तरह बंद रहेगा।रेलवे अधिकारियों

के अनुसार फाटक पर आवश्यक रखरखाव एवं तकनीकी कार्य किए जाने हैं, जिसके कारण यातायात को अस्थायी रूप से रोका गया है। फाटक बंद रहने से आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों और वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करना होगा।रेलवे प्रशासन और स्थानीय प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान पहले से निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें, ताकि अनावश्यक परेशानी और समय की बर्बादी से बचा जा सके।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि मरम्मत कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

## ईश्वर व मोक्ष प्राप्ति का साधन है भक्ति मार्ग: कथा व्यास

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** पुरुषोत्तम मास के पावनपर्व में समीपी ग्राम श्री देव मुरलीधर जी मंदिर लोक न्यास समिति, ग्राम नयाखेड़ा (गरगटा) एवं क्षेत्रवासियों द्वारा देवधाम वाटिका मे 17 मई से 14 जून तक निरंतर प्रतिदिन ही दोपहर 3 बजे से सांय 6 बजे तक, संगीतमय श्रीराम कथामृत एवं श्रीमद् भागवत पुराण का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसमे मानस पियूषा, सुश्री आस्था दुबे, मानस मंजरी सुश्री आस्था गोस्वामी द्वारा अपने ज्ञानामृत व व्याख्यान दिये गये है। वही 01 जून से 07 जून तक राष्ट्रीय मानस प्रवक्ता महाराज वैभव भटेले द्वारा आध्यात्मिक सत्संग मे भागवत भाव का रसपान कराया गया। कथा के दौरान बताया गया कि मोक्ष व ईश्वर प्राप्ति का सबसे सरल माध्यम ज्ञान व भक्ति मार्ग है। ईश्वर को पाने का मार्ग ज्ञान और भक्ति दोनों के समन्वय से स्पष्ट होता है। शास्त्रों में भी ज्ञान (विद्या) और भक्ति (श्रद्धा) को साथ चलने वाला मार्ग माना गया है, जो मनुष्य को आत्म परिवर्तन और ईश्वरीय अनुभूति दोनों की ओर ले जाता है। 8 जून से 14 जून तक साधवी बालसंत श्री

शत्रुघनदास जी राधे राधे भरकेश्वरधाम (अशोकनगर) द्वारा श्रीमद भागवत प्रवचन रसवर्षा की जायेगी। 15 जून, सोमवती अमावस्या के दिन कन्याभोजन, सामूहिक भंडारा महाप्रसादी के आयोजन के साथ सम्पूर्ण कार्यक्रम का समापन होगा। आयोजक मंडल द्वारा श्री देव मुरलीधर जी मंदिर लोक न्यास समिति नयाखेड़ा, सर्वराहकार, डॉ स्वामी सर्वानंद चैतन्य के पावन सानिध्य मे मोहन सिंह पटेल, ठाकुर इमरत सिंह राजपूत, मदन गोपाल लोधी, बेनीसिंह लोधी, ठाकुर राहुल राजपूत, नीलेश पटेल, चतुर सिंह पटेल इत्यादि ने ग्राम व क्षेत्रवासियों से शेष दिनों के समस्त आयोजन मे परिवार सहित उपस्थित प्रदान कर पुण्य लाभार्जन प्राप्त करने का विनम्र आव्हान किया है ।

## अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन की बैठक संपन्न

**गोटेगांव।** गोटेगांव के समीपवर्ती ग्राम करकबेल स्थित अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन के कार्यालय में संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने क्षेत्र की विभिन्न सामाजिक, जनहित एवं मानवाधिकार संबंधी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की तथा संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श किया।बैठक में आमजन को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, जरूरतमंद एवं पीड़ित लोगों को उचित सहायता

उपलब्ध कराने तथा समाज में मानवाधिकारों के संरक्षण को लेकर संगठन की भूमिका पर विशेष चर्चा हुई। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन के विस्तार, जनसंपर्क बढ़ाने और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता अभियान चलाने की रणनीति भी बनाई गई।ब्लॉक अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कार्य करना है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए संगठन लगातार प्रयासरत है और भविष्य में भी जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी।ब्लॉक उपाध्यक्ष भरत मेहरा ने संगठन की गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं महिला ब्लॉक अध्यक्ष एवं बौछार सरपंच श्रीमती अनीता श्रीवास्तव ने महिलाओं और कमजोर वर्गों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए संगठन की सक्रिय भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।बैठक में ब्लॉक सचिव राहुल नेमा एवं सहायक सचिव पुरुषोत्तम राजपूत ने संगठन के आगामी कार्यक्रमों, सदस्यता अभियान तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों की जानकारी दी। सभी पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने और मानवाधिकार संरक्षण के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष अंकित शुक्ला, ब्लॉक उपाध्यक्ष भरत मेहरा, महिला ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती अनीता श्रीवास्तव, ब्लॉक सचिव राहुल नेमा, सहायक सचिव पुरुषोत्तम राजपूत सहित संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का समापन संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने और समाजहित में निरंतर कार्य करने के संकल्प के साथ किया गया।

## भागवत कथा के सातवें दिन गोटेगांव नगर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

**गोटेगांव।** नगर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा स्थल पर सुबह से ही भक्तों का आगमन प्रारंभ हो गया था। कथा व्यासपीठ से अभिषेक दीक्षित ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, धर्म, भक्ति एवं मानव जीवन के आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला।कथावाचक ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मनुष्य को सत्य, प्रेम और सेवा का मार्ग दिखाती है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए भक्तों को सदाचार एवं धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर भगवान के जयकारे लगाते रहे।सातवें दिन कथा पंडाल में भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कथा के समापन अवसर पर भगवान की महाआरती की गई तथा श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि कथा के अंतिम चरण में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ प्रसादी वितरण भी किया गया। पूरे नगर में धार्मिक वातावरण बना हुआ है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।कार्यक्रम के सफल संचालन में आयोजन समिति, महिला मंडल एवं नगरवासियों का विशेष सहयोग रहा। कथा स्थल पर व्यवस्था एवं अनुशासन की सराहना श्रद्धालुओं द्वारा की गई।